IJRAR.ORG E-ISSN: 2348-1269, P-ISSN: 2349-5138
INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH AND ANALYTICAL REVIEWS (IJRAR) | IJRAR.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

नई शिक्षा नीति – 2020 : बहु–विषयक शिक्षा

तरुण कुमार,
पी०एच०डी० शोधार्थी
एम० बी० जी० पी० जी० कॉलेज हल्द्वानी, कुमाऊं विश्वविद्यालय

सारांश
एक सुपरिभाषित, सुनियोजित और प्रगतिशील शिक्षा नीति प्रत्येक देश के लिए आवश्यक है क्योंकि शिक्षा आर्थिक और सामाजिक प्रगति की आधारशिला है। उनके संबंधों को ध्यान में रखते हुए परंपराओं और संस्कृति, विभिन्न देश विभिन्न शिक्षा प्रणालियों को अपनाते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को 28 जुलाई, 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया था। 34 वर्षों के अंतराल के बाद, भारत सरकार ने 2.5 लाख ग्रामीण स्तर के हितधारकों से दो राष्ट्रीय स्तर पर पृष्ठपोषित समेकित किया। संसदीय स्तर की समितियां, 50 महीनों से अधिक की परामर्श और कार्यशालाएं। हालांकि, नीति ने किस हद तक सिफारिशों को शामिल किया है यह अज्ञात है। एनईपी (NEP) के बारे में कई ऑप–एडस् और टिप्पणियां, यह लेख नीति का विश्लेषण करने का प्रयास करता है। अभ्यासियों का लेंस। विशेष रूप से, हम 'स्कूली शिक्षा' खंड के नौ प्रमुख अध्यायों की जांच करते हैं: पिछले पांच वर्षों में नीति के जीवन–चक्र को सूत्रीकरण के माध्यम से देखने का हमारा अनुभव, महाराष्ट्र में कार्यान्वयन, और (कमी) मूल्यांकन। ''2022 में, जब भारत मनाएगा, स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के पूरा होने पर, सभी भारतीय छात्रों को के अनुसार सीखना चाहिए। नई शिक्षा नीति की दिशा और प्रावधान। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है,'' – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

शब्द कुंजी :– नई शिक्षा नीति – 2020, बहु–विषयक शिक्षा, स्कूली शिक्षा

परिचयः

एनईपी 2020 के बहु–विषयक शैक्षिक दृष्टिकोण को हर कोई कई दशकों के नये निवेश के रूप में चाहता है। इस नीति का एक प्रमुख शैक्षिक लक्ष्य है, देश की प्राथमिक से माध्यमिक शिक्षा प्रणाली का सकल नामांकन बढ़ाना। एनईपी 2020 के अनुसार, 2030 तक हर जिले में कई बड़े बहु–विषयक शैक्षणिक कॉलेज खोलना। भारतीय शिक्षा प्रणाली में लागू किए जाने वाले यह सुधार बहुत बड़ा और साहसिक कदम है। शिक्षा को 'बहु–विषयक शिक्षा' बनाने एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे छात्रों को लाभ होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए बहुत प्रयास किए जिससे हर छात्र को फलने–फूलने और अलग बनाने के लिए बहु–विषयक शिक्षा प्रदान की जा सके। विषयों को चुनने का लचीलापन जिसमें विज्ञान के साथ कला, ललित कला, खेल के साथ–साथ मानविकी छात्रों को विषय को चुनने की एक विस्तृत श्रृंखला देंगे।

विषयों के रचनात्मक संयोजन के साथ अत्याधुनिक पाठ्यक्रम, लचीले विकल्प और अंडर ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के दौरान कई प्रवेश और निकास विकल्प। छात्र अपनी पसंद के अनुसार विषय–क्षेत्रों को चुन कर पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि भारतीयों के सोचने, सीखने और ज्ञान प्राप्त करने का तरीका हमेशा से 'उदार और बहु–विषयक' रहा है। यह बहुविषयक शैक्षिक दृष्टिकोण विश्व के लिए भारत का महान योगदान होगा। NEP 2020 शिक्षा प्रणाली के भविष्य का निर्माण और कार्यान्वयन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बहु–विषयक और समग्र–शिक्षा के साथ ही सीखना, एक प्राचीन पद्धति है जिसका उपयोग भारतीय शिक्षा प्रणाली के साथ–साथ दुनिया के दूसरे हिस्से में भी किया जाता रहा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक संकुचित दस्तावेज है और इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षिक क्षेत्रों को समग्र, बहु–विषयक और बेहतर बनाकर सुधार करना है जो 21वीं सदी के उत्तर–आधुनिक समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण है। बहुविषयक शिक्षा है एक अभिनव माध्यम जिसके माध्यम से छात्र सभी विषयों को एक साथ सीख सकते हैं। MERU(बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय) वास्तव में शिक्षा प्रणाली में एक नया MERU बनाने में मदद कर रहा है।

2030 तक, प्रत्येक जिले में एक बड़ा बहुविषयक महाविद्यालय– 2030 तक, समस्त उच्च शिक्षा संस्थान बहु–विषयक संस्थान बन जाएंगे और उनमें से प्रत्येक के पास कम से कम एक 3,000 छात्रों का नामांकन होगा। 2030 तक, हर जिले या उसके पास कम से कम एक बड़ा बहु–विषयक HEI होगा।

प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ECCE)–

- शिक्षा का अधिकार में पात्रता को 6–14 वर्ष से बढ़ाकर 3–18 वर्ष कर दिया गया है। साथ ही 2030 तक 100 प्रतिशत बच्चों को 'स्कूल के लिए तैयार' करने का लक्ष्य, यह नीति ईसीसीई का सार्वभौमिकरण पर जोर देती है।
- खेल के उपकरण और बच्चों के अनुकूल इमारतों के साथ–साथ बुनियादी ढांचा प्रदान करना, ECCE शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्मिक के सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) लिए कुछ ऑनलाइन कार्यक्रम सहित छह महीने के प्रमाणन कार्यक्रम।

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN)–

- छात्रों के लिए तीन महीने का प्रारंभिक पाठ्यक्रम, डिजिटल सामग्री तक पहुंच, ऊर्जावान पाठ्यपुस्तकों (ETB-DIKSHA), छात्र–नेतृत्व वाली सहकर्मी शिक्षा, और 2025 तक आधारभूत स्तर (ग्रेड 3 तक) सीखना 100 प्रतिशत प्राप्त करने के कुछ साधनों के रूप में सामुदायिक शिक्षण की सिफारिश की जाती है।
- शिक्षक रिक्तियाँ समयबद्ध तरीके से भरे जाने, समाज के वंचित क्षेत्रों और वर्गों को प्राथमिकता।

सभी स्तरों पर शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच–

सभी कॉलेजों में संगीत, कला और साहित्य पढ़ाया जाएगा। भाषा, साहित्य, संगीत, दर्शन, कला, नृत्य, रंगमंच, शिक्षा, गणित, सांख्यिकी, शुद्ध और अनुप्रयुक्त विज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, खेल, अनुवाद, और व्याख्या, आदि सभी उच्च शिक्षा संस्थानों में लागू किया जाए।

- 12वीं कक्षा तक के छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे और शिक्षकों जैसे संसाधनों में निवेशय साथ ही यह सुनिश्चित करना कि सामाजिक कार्यकर्ता और परामर्शदाता छात्रों को उपलब्ध कराए जाएं, इसलिए वे स्कूल छोड़ने की दर में योगदान करने वाले कारकों को संबोधित कर सकते हैं।
- प्रौद्योगिकी के माध्यम से 100 प्रतिशत बच्चों की निगरानी सुनिश्चित करना जिससे कि कोई भी पीछे न रहे।
- स्कूल छोड़ने वाले और स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या को कम करने के लिए विभिन्न सार्वजनिक–निजी भागीदारी स्कूल मॉडल को प्रोत्साहित करना।

एम.फिल(M.Phil) बंद किया जाएगा :–

एनईपी 2020 के अनुसार, एम.फिल बंद कर दिया जाएगा। उस के संबंध में विवरण जल्द ही जारी किया जाएगा।

संस्कृत को मुख्यधारा में लाया जाएगाः–

समय आ गया है कि संस्कृत को सशक्त तरीके से मुख्यधारा में लाया जाए। स्कूलों में पेशकश और उच्च शिक्षा में त्रिभाषा फार्मूला अपनाया जाएगा।

व्यावसायिक कौशल सिखाए जाए :–

प्रत्येक छात्र/छात्रा जब तक वे अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करते हैं, को एक व्यावसायिक कौशल सिखाया जाएगा। छात्रों को कक्षा 6 से कोडिंग भी सिखाई जाएगी।

कला और विज्ञान पाठ्यचर्या के बीच कोई कठोर अलगाव नहीं :–

इन दो धाराओं के पाठ्यक्रम में कोई बहुत बड़ा अलगाव नहीं होगा। और संगीत जैसे सभी विषयों पढ़ाये जायेंगे।

स्कूलों में पाठ्यचर्या और शिक्षाशास्त्र–

- यह नीति स्थानीय भाषाओं को कम से कम कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह मध्य और माध्यमिक स्तर पर द्विभाषी शिक्षा और सीखने के लिए पाठ्य पुस्तकों को बढ़ावा देना, साथ ही बहुभाषा।
- नई 5+3+3+4 कक्षा प्रणाली एक बहु–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए, प्रत्येक सीखने के स्तर को परिभाषित करने पर केंद्रित है और कोर को लक्षित करके पाठ्यक्रम सामग्री को कम करना।

परीक्षण और आकलन–

- नए प्रस्तावित प्रणाली स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर मापने योग्य सीखने के परिणामों पर ध्यान दें, विशेष रूप से तीसरी, पांचवीं और आठवीं कक्षा के स्तर पर परीक्षण के साथ।
- रचनात्मक आकलन को बढ़ावा देना (जो निरंतर आधार पर आयोजित किए जाते हैं पाठ्यक्रम के छोटे भागों को शामिल करना), सहकर्मी मूल्यांकन और समग्र प्रगति रिपोर्ट, बच्चों की चल रही शैक्षणिक प्रगति को मापने के लिए।
- 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने के लिए छात्र की पसंद। नीति विषय पसंद की स्वतंत्रता की पेशकश करके दो प्रयासों में से सर्वश्रेष्ठ की अनुमति करने का सुझाव देता है,और कठिनाई का विकल्प (मानक और उच्च स्तर)।

शिक्षक और शिक्षक शिक्षा–

नीति में न्यूनतम शिक्षक शिक्षा डिग्री की आवश्यकता को बदलने का प्रस्ताव है वर्तमान दो वर्षीय D.El.Ed/B.Ed डिग्री से चार वर्षीय B.Ed स्नातक कार्यक्रम, 2030 तक।

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट की स्थापना की जाएगीः–

एक एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) की स्थापना की जाएगी जो अर्जित किए गए अकादमिक क्रेडिट को डिजिटल रूप से संग्रहीत करेगा। 4 साल का कोर्स भी एक डिग्री 'अनुसंधान के साथ' यदि छात्र एक कठोर शोध परियोजना को संबंधित समय सीमा में पूरा करता है, की ओर ले जा सकता है

समान और समावेशी शिक्षा–

- राज्य स्तरीय समावेशन गतिविधियों को चलाना जो 'जेंडर इनक्लूजन फंड' जो महिला और ट्रांसजेंडर छात्रों का समर्थन करता है, सुरक्षा के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे और लक्षित बोर्डिंग का विकास करना।
- विशेष शिक्षा क्षेत्र (एसईजेड) और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय(केजीबीवी)/केवी को आकांक्षी जिलों में स्थापित किया जाएगा, जिसमें सीखने की मात्रा और गुणवत्ता सुधार पर लक्षित ध्यान दिया जाएगा।

स्कूल परिसर–

- बहुत कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों को 'स्कूल परिसर' में फिर से संगठित करना संरचना, जो ऐसे 10–15 छोटे विद्यालयों को एक प्रशासनिक इकाई में जोड़ती है, स्कूल अलगाव को कम करने में मदद करें, शिक्षण शिक्षण संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करें, और वृद्धि करें शासन और जवाबदेही, विशेष रूप से भारत के ग्रामीण/आदिवासी भागों में।
- स्थानीय स्तर पर पहल की योजना बनाने और उसे लागू करने के लिए स्वायत्तता प्रदान करना एक अच्छा विचार है। स्कूल परिसर प्रबंधन समिति (एससीएमसी)

मानक सेटिंग और स्कूल मान्यता–

- मानक निर्धारित करके स्कूलों में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए एक मजबूत, एक समर्पित एजेंसी (राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण, या एसएसएसए) के माध्यम से आगे बढ़ाना, जिसमें सीखने से संबंधित संकेतकों के साथ–साथ स्कूल रेटिंग में छात्रों की प्रतिक्रिया शामिल है।
- विकास, प्रदर्शन और जवाबदेही समर्थन के तीन प्रमुख स्तंभ होंगे प्रणाली में अधिकारी और शिक्षक, नौकरी की भूमिकाओं में अधिक संरेखण और स्पष्टता को बढ़ावा देना, आवधिक प्रदर्शन मापन संरचनाएं, और समय पर प्रतिक्रिया तंत्र
- एनईपी 2020 का नया दृष्टिकोणः–(सीखने के नये 4 स्तंभ)

5 बुनियादी स्तर	Fun of Learning	Multi-Level/Playwell
3 प्राथमिक स्तर	Peaceful Learning	Activity and Discover
3 मिडिल स्तर	Mind-Blowing Learning	Experimental
4 माध्यमिक स्तर	Soul of Learning	Multidisciplinary Study

निष्कर्षः–

एनईपी 2020 की मसौदा समिति ने नीति तैयार करने का व्यापक प्रयास किया है,जो राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों, विशेषज्ञ दृष्टिकोणों, शिक्षा में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं, क्षेत्र के अनुभव और हितधारकों की प्रतिक्रिया पर विचार करता है।

यह मिशन आकांक्षी है लेकिन कार्यान्वयन रोडमैप तय करेगा कि क्या यह वास्तव में एक समावेशी शिक्षा जो शिक्षार्थियों को नौकरी के लिए तैयार करती है, बढ़ावा देगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सभी शैक्षिक नीतियों से पहले एक महान मॉडल है। लेकिन यहां तक हालांकि वास्तविक कार्यान्वयन में कुछ प्रश्न हैं या हम जमीनी स्तर की वास्तविकता कह सकते हैं–

- मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में औपचारिक प्रशिक्षण और उन्मुखीकरण शामिल नहीं है कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए शिक्षाशास्त्र।
- यह पाठ्यक्रम में कैसे शामिल होगा
- सटीक पाठ्यक्रम कब और कैसे तैयार किया जाएगा
- शिक्षक प्रशिक्षण के बारे में क्या?
- किस प्रकार की मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जाएगी?
- क्या इन सभी बहुविषयक शिक्षण संस्थानों को उपयुक्त आधारभूत संरचना मिलेगी
- किस प्रकार की स्वायत्तता की घोषणा की जाएगी?
- कैसे होगा डम्न् का काम?
- क्या हम फिर से भारत में जातिवार कार्य संस्कृति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं?

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

Shinde, Geeta,(April 2021). Multidisciplinary Educational Approaches-NEP 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies https://www.researchgate.net/publication/358356636

Banupuri Madhukar,&Sharma sides, https://idronline.org/nep-2020-hits-and-misses

Panda Rajesh https://www.indiatoday.in/education-today/featurephilia/story December 20, 2020UPDATED: December 20, 2020 17:51 IST

Saini Simran https://www.collegedekho.com/new published On: September 24, 2020 Home >Education >News >NEP set to be rolled out in ... - Mintwww.livemint.com › education › news › pm-modi-hint...